>

Title: Need for revival package of Barauni Oil Refinery.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय): बरौनी तेलशोधक कारखाने की स्थापना के 50 वर्ष हो चुके हैं। बेगूसराय जिला के पुरखों की दानशीलता, राष्ट्र के प्रति उनकी असीम राष्ट्रभक्ति तथा बिहारी केसरी डॉ. श्री कृष्ण सिंह की राजनीतिक पहल पर काफी जद्दोजहद के बाद इस तेलशोधक कारखाने की स्थापना संभव हुई। असम से कच्चे तेल की आपूर्ति पाइप के द्वारा होती और बरौनी में उसका शोधन होता पर यह रिफायनरी राजनीतिक नक्षत्रों के गृहों से निकल नहीं पाया यह बांझ बनकर रह गया। इसके नेपथ्य से 35 पैट्रोकेमिकल एरोमेटिक कारखाने लगते। सैंकड़ों घरेलू मध्यम दर्जे के उद्योग धंधों का जन्म होता पर कुछ भी नहीं हुआ। इतना ही नहीं असम में एक दूसरी रिफायनरी, दूसरा तेलशोधक कारखाना श्री राजीव गांधी के शासनकाल में स्थापित हुआ। बरौनी तेलशोधक कारखाना घोर संकट में फंस गया। बिना इस कारखाने की भविष्य की चिंता किए हुए इसे गोदाम बनाने के सारे प्रयास हुए पर जन दबाव के कारण अभी तक यह नहीं हुआ। इस कारखाने का न तो विस्तार हो रहा है और न इसे जीवित रहने के लिए इसकी शक्ति का उपयोग हो रहा है। अभी हाल में देश के तमाम तेलशोधक कारखानों के विस्तार के लिए 80 हजार करोड़ रूपये की योजना आकार ले रही है पर बरौनी उसमें शामिल नहीं है। बरौनी का पाप यही है कि सार्वजनिक क्षेत्र में वह किसानों की अद्भुत दानशीलता की प्रवृति को लेकर है। वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू एवं बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह की आत्मा का स्पंदन है। मैं केन्द्रीय सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से मांग करता हूं कि बरौनी तेलशोधक कारखाने को न्याय मिले एवं उसका विस्तार हो एवं यह कामकाज विकास की उच्चता को प्राप्त करे।